श्रद्धापूर्वक मनायी गयी दादी का स्मृति दिवस, उमड़ा जन सैलाब

युवाओं ने लिया विश्व बन्धुत्व की भावना को साकार करने का संकल्प

आबू रोड, 25 अगस्त, निसं। हाथ में दादी के यादों के लिए झंडे, मौन की भाषा, कतार बद्ध होकर अपनी बारी का इंतजार करते लोगों की चेहरे पर भावभीनी श्रद्धांजलि का भाव सहज ही दिख रहा था। युवाओं के दिलों में खास याद छोड़ने वाली पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी की पांचवी पुण्य तिथि ऐसा ही नजारा था ब्रह्माकुमारीज संस्था के शांतिवन परिसर में।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी की पांचवी पुण्य तिथि श्रद्धापूर्वक मनायी गयी। इस अवसर पर संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी, अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, संस्था के महासचिव ब्र. कु. निर्वैर, अतिरिक्त महासचिव ब्र. कु. बृजमोहन, ब्र. कु. रमेश, सूचना एवं जनसम्पर्क निदेशक ब्र. कु. करूणा, ब्र. कु. मोहिनी. ब्र. कु. मुन्नी, ब्र. कु. मृत्युंजय, ब्र. कु. भूपाल समेत सभी वरिष्ठ पदाधिकारी दादी के स्मृति स्थल प्रकाश स्तम्भ पर गये तथा कुछ मिनट मौन रहकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर मुम्बई से आये पार्श्व गायक ओम व्यास, राजकोट से आये स्वामी नित्यानन्द जी महाराज सहित कई विशिष्ट अतिथियों ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा दादी के सपनों को साकार करने का संकल्प लिया। इसके बाद सभी कुछ मिनट मौन रहकर पूरे विश्व में सदभावना और विश्व बन्धुत्व को लाने के लिए दृढ़ संकल्पित हुए।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि हमें दादी के गुणों को अपने जीवन में अपनाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने दादी के सपनों को साकार करने का आह्वान किया। दस फीट बनाये गये फलैक्स पर सभी लोगों ने हस्ताक्षर कर अपनी सहमति प्रदान की।

युवाओं के लिए संकल्प दान पात्र- कार्यक्र के दौरान युवाओं ने स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन करने की प्रतिज्ञा के साथ संकल्प पत्र भरकर दान पात्र में डाले।

दादी के यादों में खाये रहे लोग-प्रात: काल से ही लोग दादी के यादों में खोये रहे। मौन की भाषा से पूरा शांतिवन शांति की दुनिया में तब्दील हो गया।

हाथ में दादी के झंडे दिलाये दादी के याद- सभी के हाथों में दादी के बने झंडे जब लहराये तो चारों तरफ दादीमय हो गया।

फोटो 25एबीआरओपी, 1, 2, 3, 4 श्रद्धांजलि करती दादी जानकी तथा अन्य।